+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

TODAY'S ANALYSIS

(आज का विश्लेषण)

(09 July 2024)

Sources:

The Hindu, The Indian Express, The Economics Times & PIB

Important News:

- पश्चिमी प्रतिबंधों के बावजूद रूस के उच्च आय वाला देश बनने की कहानी
- संज्ञानात्मक परीक्षण क्या है, जिसे अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन को कराने की मांग की जा रही हैं?
- भारत में वित्त वर्ष 2023-24 में रोजगार की बेहतर स्थिति
- **MCQs**

पश्चिमी प्रतिबंधों के बावजूद रूस के उच्च आय वाला देश बनने की कहानी:

चर्चा में क्यों हैं?

- अगर हम पूछे कि व्यापक पश्चिमी प्रतिबंध के लागू होने के लगभग ढाई साल बाद, रूस की अर्थव्यवस्था कैसी चल रही है? तो इसका जबाब वैश्विक डेटा सेट से पता चलता है कि यह अप्रत्याशित रूप से अच्छा कर रही है।
- इस महीने की शुरुआत में, विश्व बैंक ने रूस को "उच्च-मध्यम आय" वाले देश से "उच्च-आय" वाले देश में अपग्रेड किया, यह दर्जा उसे आखिरी बार 2014 में मिला था।
- उल्लेखनीय है कि व्यापार, वित्तीय क्षेत्र, और निर्माण में वृद्धि से रैंकिंग में वृद्धि हुई, जिसके कारण वास्तविक जीडीपी (3.6%) और नाममात्र जीडीपी (10.9%) दोनों में वृद्धि हुई।
- हालांकि, यह सुधार युद्ध अर्थव्यवस्था के कारण है, और अधिकांश विशेषज्ञों के अनुसार इसके बने रहने की संभावना नहीं है। विश्व बैंक ने भी 8 जुलाई को कहा,

"रूस में आर्थिक गतिविधि 2023 में सैन्य-संबंधी गतिविधि में बड़ी वृद्धि से प्रभावित हुई"।

प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय के आधार पर रूस का प्रदर्शन:

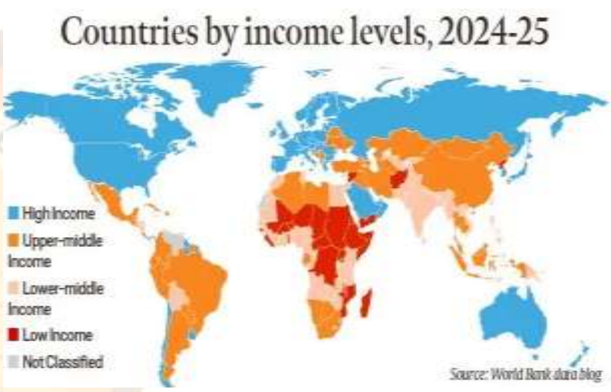

- उल्लेखनीय है कि विश्व बैंक प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय (GNI) के आधार पर अर्थव्यवस्थाओं को चार समूहों में वर्गीकृत करता है: निम्न, निम्न-मध्यम, उच्च-मध्यम और उच्च। उच्च आय वाले देशों के लिए विश्व बैंक के 2024-25 वर्गीकरण ने सीमा को बढ़ाकर $14,005 या उससे अधिक कर दिया है।
- विश्व बैंक ने अनुमान लगाया कि पिछले साल रूस ने सकल राष्ट्रीय आय के आधार पर प्रति व्यक्ति $14,250 कमाए जो इसे उच्च आय वाले देश की श्रेणी ($14005 प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय) में शामिल करा गया है। रूस के ही तरह बुल्गारिया और पलाऊ भी उच्च आय वाले देश के रूप में अपग्रेड हुए हैं।

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

- यूक्रेन, जो फरवरी 2022 से रूस के आक्रमण से जूझ रहा है, को भी अपग्रेड मिला है। अल्जीरिया, ईरान और मंगोलिया भी निम्न-मध्यम आय वर्ग से उच्च-मध्यम आय वर्ग में आ गए हैं।

रूसी अर्थव्यवस्था का लचीलापन:

- रूस की अर्थव्यवस्था का लचीलापन, जो अब ईरान, क्यूबा और उत्तर कोरिया के संयुक्त प्रतिबंधों से भी अधिक व्यक्तिगत प्रतिबंधों के अधीन है, एक आश्चर्य के रूप में सामने आया है।
- जैसा कि विश्व बैंक ने उल्लेख किया है 2022 में प्रतिबंधों के शुरुआती मंदी के प्रभाव के बाद, रूसी अर्थव्यवस्था 2023 में विकास की ओर लौट आई है, जिसमें सैन्य खर्च और ऋण विस्तार सहित राजकोषीय प्रोत्साहन और प्रतिबंधों के प्रभाव को सफलतापूर्वक कम करने का समर्थन किया गया है।
- G7 देशों और यूरोपीय संघ से व्यापार और वित्तपोषण पर प्रतिबंधों के परिणामस्वरूप चीन, भारत, तुर्की, मध्य एशिया और दक्षिण काकेशस में व्यापार मोड़ आया और नए बुनियादी ढांचे और रसद में निवेश किया गया है।

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

- वास्तव में, हालात पहले से कहीं बेहतर हैं। रूस का जॉब मार्केट मजबूत है, बेरोजगारी रिकॉर्ड निचले स्तर पर है और बढ़ती मजदूरी उपभोक्ता खर्च को बढ़ावा दे रही है।
- 2022 में 1.2% के अपेक्षाकृत छोटे संकुचन के बाद, अर्थव्यवस्था ने 2023 में उम्मीदों से बेहतर प्रदर्शन किया, जिसमें 3.6% की वृद्धि हुई। हालांकि, मध्यम से लंबी अवधि की आर्थिक संभावनाएं फीकी बनी हुई है।
- रूस में निर्यात पर व्यापक प्रतिबंध, तकनीकी उपकरणों की आपूर्ति में महत्वपूर्ण और लगातार अंतराल और उच्च व्यापार लागत के कारण, व्यवसाय और परिवारों द्वारा बड़ी अनिश्चितता का सामना किया जा रहा है।

रूस पर प्रतिबंध क्यों कारगर नहीं रहे हैं?

- तेल निर्यात:
    - ➢ रूस के ऊर्जा क्षेत्र पर प्रतिबंध उतने कड़े नहीं हैं जितने वेनेजुएला या ईरान पर लगाए गए थे। पश्चिम ने अपने हितों को ध्यान में रखते हुए प्रतिबंधों को डिजाइन किया, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि रूस जीवाश्म ईंधन का उत्पादन जारी रखे और तेल की कीमतों में कोई महत्वपूर्ण उछाल नहीं आए।

- ➢ जबकि पश्चिमी यूरोप के अधिकांश हिस्सों में रूसी जीवाश्म ईंधन निर्यात में गिरावट आई है, कुल निर्यात मात्रा अपेक्षाकृत स्थिर बनी हुई है। ऐसा इसलिए है क्योंकि जो तेल पहले यूरोप जाता था, वह अब कहीं और, विशेष रूप से चीन और भारत में अवशोषित हो रहा है।

- **अर्थव्यवस्था में निवेश का उच्च दर:**
  - ➢ 2022 से कॉर्पोरेट निवेश में सुधार हुआ है, जो 2023 में सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि में अनुमानित 4.5 प्रतिशत अंक जोड़ता है।
  - ➢ निवेश रूस के रक्षा और विनिर्माण क्षेत्रों में प्रवाहित हो रहा है।
  - ➢ पश्चिमी प्रतिबंधों ने अर्थव्यवस्था को फिर से तैयार करना आवश्यक बना दिया है।
  - ➢ IMF ने इस बात पर प्रकाश डाला है कि कुछ आयातों को घरेलू वस्तुओं द्वारा प्रतिस्थापित किया जा रहा है, जिसके परिणामस्वरूप नई उत्पादन सुविधाओं में निवेश हो रहा है।

- **घरेलू उपभोग में वृद्धि:**
  - ➢ निजी उपभोग में जोरदार सुधार हुआ है, जिससे सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि में 2.9 प्रतिशत अंक की वृद्धि हुई है।

VAJIRAO & REDDY INSTITUTE
India's Top Potential Training Institute for IAS
+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

- ➢ यह वृद्धि ऋणों में उछाल और एक मजबूत श्रम बाजार द्वारा संचालित किया जा रहा है।
- ➢ मौद्रिक प्रोत्साहनों का उपयोग करते हुए बड़े पैमाने पर स्वैच्छिक सैन्य भर्ती मॉडल ने उपभोक्ताओं के वर्गों को खर्च जारी रखने की अनुमति दी है।
- ➢ सरकारी खर्च ने भी विकास में योगदान दिया है। रक्षा खर्च को सकल घरेलू उत्पाद के अनुमानित 7% तक बढ़ा दिया गया है।

- रूस में आर्थिक नीति के दिग्गजों ने समय के साथ इन उपायों के इर्द-गिर्द काम करना सीख लिया है।

ADDRESS:
19/1A Shakti Nagar, Nagiya Park Near Delhi University, New Delhi - 110007 (India)

संज्ञानात्मक परीक्षण क्या है, जिसे अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन को कराने की मांग की जा रही हैं?

चर्चा में क्यों है?

- व्हाइट हाउस की दौड़ में बने रहने के लिए 81 वर्षीय जो बिडेन की फिटनेस पर चिंता के बीच, राष्ट्रपति से उनकी मानसिक तीक्ष्णता के स्तर को निर्धारित करने के लिए संज्ञानात्मक परीक्षण कराने की मांग की गई है।
- बिडेन, जिनके बारे में कई लोगों का मानना है कि दुनिया की सबसे कठिन नौकरी की शारीरिक और मानसिक मांगों के लिए उनकी उम्र बहुत ज्यादा है, उन्हें पद से हटाने के लिए लगातार बढ़ते अभियान के बावजूद अड़े हुए हैं। राष्ट्रपति पद की बहस में बिडेन के खराब प्रदर्शन के बाद चिंताएँ तेजी से बढ़ गईं, जिसके बाद डोनाल्ड ट्रम्प ने चुनावों में राष्ट्रपति पर अपनी बढ़त बना ली।

संज्ञानात्मक परीक्षण क्या होता है?

- संज्ञानात्मक परीक्षण, संज्ञान से जुड़ी समस्याओं की जांच करता है, जिसमें मस्तिष्क के कार्य जैसे सोचना, सीखना, याद रखना और निर्णय और भाषा का उपयोग करना शामिल है। संज्ञान से जुड़ी समस्याओं को संज्ञानात्मक हानि के रूप में वर्णित किया जाता है।
- संज्ञानात्मक परीक्षण एक संरचित और मान्य प्रक्रिया है जो संज्ञानात्मक कमियों, उनके होने के कारणों और विषय के मस्तिष्क के उन क्षेत्रों की पहचान करने का प्रयास करती है जिन्हें वे प्रभावित करते हैं।
- यह परीक्षण मूलतः एक परीक्षा की तरह है जिसमें एक मनोवैज्ञानिक स्मृति, अवधारण, भाषा कार्य, गणना करने की क्षमता और विशेष आयोजन क्षमता जैसे कार्यों की जांच करता है, ताकि मस्तिष्क के उन अलग-अलग हिस्सों की कार्यप्रणाली का मूल्यांकन किया जा सके जो इन मानसिक कार्यों में से प्रत्येक के लिए जिम्मेदार हैं।
- परीक्षण के परिणामों के आधार पर, इस बात का निदान किया जाता है कि विषय में संज्ञानात्मक हानि, मनोभ्रंश या छद्म मनोभ्रंश है या नहीं, और हस्तक्षेप -

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

जिसमें व्यवहार चिकित्सा और संज्ञानात्मक चिकित्सा शामिल हैं - तय किए जाते हैं।

यह परीक्षण किसके लिए अनुशंसित है?

- जिन लोगों को याददाश्त की कमी है, या जिन्हें लगता है कि वे याददाश्त खो रहे हैं या भूलने वाले हो रहे हैं, उन्हें ध्यान केंद्रित करने या निर्णय लेने में कठिनाई होती है, या जिनका दिमाग उस तरह से काम नहीं कर रहा है जैसा उन्हें लगता है कि उसे काम करना चाहिए, उन्हें यह परीक्षण करवाना चाहिए।
- यह परीक्षण अक्सर डॉक्टरों द्वारा मनोभ्रंश और छद्म मनोभ्रंश के बीच अंतर करने और संज्ञानात्मक पुनर्वास के लिए हस्तक्षेप का सुझाव देने के लिए दिया जाता है।
- डॉक्टरों के अनुसार उनके लिए, संज्ञानात्मक कार्य परीक्षण करना एक बहुत ही नियमित बात है।

क्या यह परीक्षण विशेष रूप से वृद्ध लोगों के लिए है?

- संज्ञानात्मक गिरावट में उम्र एक महत्वपूर्ण कारक है: 60 के बाद हर दशक में मनोभ्रंश का जोखिम बढ़ता है, और 75 वर्ष की आयु के बाद बहुत महत्वपूर्ण हो

जाता है। हालांकि कुछ युवा लोग तनाव, अधिक काम और मल्टीटास्किंग के कारण भी लक्षण दिखाते हैं।

- विशेषज्ञों ने कहा कि राष्ट्रपति बिडेन की उम्र ऐसी है जिस पर संज्ञानात्मक हानि का जोखिम विशेष रूप से अधिक है।
- हालांकि, जो बिडेन ने संज्ञानात्मक परीक्षण सहित किसी भी तरह की न्यूरोलॉजिकल जांच से गुजरने और परिणामों को जनता के सामने जारी करने से इनकार कर दिया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति बनना और फिर से चुनाव लड़ना उनका अपना सबसे बड़ा संज्ञानात्मक परीक्षण हैं।

भारत में वित्त वर्ष 2023-24 में रोजगार की बेहतर स्थिति:

चर्चा में क्यों है?

- भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, 31 मार्च, 2024 को समाप्त वित्त वर्ष में देश की रोजगार दर 2022-23 में 3.2 प्रतिशत की वृद्धि से अधिक 6 प्रतिशत दर से बढ़ी है।
- वित्त वर्ष 2023-24 में देश में रोजगार 4.67 करोड़ बढ़कर 64.33 करोड़ (अनंतिम) हो गया, जो 2022-23 में 59.67 करोड़ था, जैसा कि आरबीआई के उद्योग स्तर पर उत्पादकता मापने वाले भारत KLEMS [पूंजी (K), श्रम (L), ऊर्जा (E), सामग्री (M) और सेवा (S)] डेटाबेस से पता चला है।

आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार भारत में रोजगार की स्थिति:

- आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार 2023-24 में भारत का कुल रोजगार 643.3 मिलियन था, जबकि वित्त वर्ष 2022-23 में यह 596.7 मिलियन था।

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

- उल्लेखनीय है कि आरबीआई देश की उत्पादकता और रोजगार के स्तर का अनुमान लगाने के लिए सरकार के राष्ट्रीय खातों और श्रम मंत्रालय के डेटा का उपयोग करता है।
- 8 जुलाई को जारी की गई रिपोर्ट को लेकर आरबीआई ने कहा कि वह उपलब्ध जानकारी के आधार पर पहली बार वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए कुल अर्थव्यवस्था के लिए उत्पादकता का एक अनुमान लगाने का प्रयास किया गया है।
- डेटाबेस में संपूर्ण भारतीय अर्थव्यवस्था को शामिल करने वाले 27 उद्योग शामिल हैं। डेटाबेस व्यापक क्षेत्रीय स्तरों (कृषि, विनिर्माण और सेवाएँ) और अखिल भारतीय स्तर पर भी ये अनुमान प्रदान करता है।

आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण के रोजगार संबंधी आंकड़े:

- सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (MoSPI) द्वारा जारी आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (PLFS) के नवीनतम तिमाही बुलेटिन के अनुसार, मई 2024 में, शहरी क्षेत्रों में 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए बेरोजगारी दर (UR) जनवरी-मार्च 2023 के दौरान 6.8 प्रतिशत से घटकर जनवरी-मार्च 2024 में 6.7 प्रतिशत हो गई।

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

- महिला बेरोजगारी दर जनवरी-मार्च 2023 में 9.2 प्रतिशत से घटकर जनवरी-मार्च 2024 में 8.5 प्रतिशत हो गई।
- आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण के आंकड़ों से पता चलता है कि शहरी क्षेत्रों में 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए श्रम बल भागीदारी दर (LFPR) जनवरी-मार्च 2023 में 48.5 प्रतिशत से बढ़कर जनवरी-मार्च 2024 के दौरान 50.2 प्रतिशत हो गई है।

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

MCQs

1. हाल ही में विश्व बैंक के द्वारा रूस को "उच्च-मध्यम आय" वाले देश से "उच्च-आय" वाले देश में अपग्रेड करने की कार्यवाही के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

    1. विश्व बैंक ने इससे पहले 2014 में रूस "उच्च-आय" वाले देश के रूप में मान्यता दी थी।
    2. पिछले वर्ष युद्ध अर्थव्यवस्था के कारण रूस की अर्थव्यवस्था में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई थी।

    उपर्युक्त दिए गए कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

    (a) केवल 1

    (b) केवल 2

    (c) 1 और 2 दोनों

    (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

    Ans. (c)

2. इस वर्ष जुलाई माह के शुरुआत में विश्व बैंक द्वारा दुनिया के विभिन्न देशों को उनके प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय के अनुसार चार श्रेणियों में विभाजित किया है। विश्व बैंक के इस रिपोर्ट के अनुसार दुनिया के कितने देश 'निम्न मध्यम' आय वर्ग से 'उच्च मध्यम' आय वर्ग में अपग्रेड हुए हैं?

(a) 8 देश

(b) 6 देश

(c) 5 देश

(d) 4 देश

Ans. (d)

3. हाल में चर्चा में रहे 'संज्ञानात्मक परीक्षण' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. संज्ञानात्मक परीक्षण में मस्तिष्क के कार्य जैसे सोचना, सीखना, याद रखना और निर्णय और भाषा का उपयोग करना आदि से जुड़ी समस्याओं की जांच शामिल है।

2. संज्ञानात्मक गिरावट की समस्या केवल वृद्धावस्था से जुड़ी समस्या है।

उपर्युक्त दिए गए कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

Ans. (a)

4. भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार भारत में वित्त वर्ष 2023-24 में रोजगार की स्थिति के संदर्भ में निम्नलिखित आंकड़ों में से कौन-सा सही नहीं है?

(a) वित्त वर्ष 2023-24 में रोजगार वृद्धि दर 2022-23 में 3.2 प्रतिशत की वृद्धि से अधिक 6 प्रतिशत दर से बढ़ी है।

(b) वित्त वर्ष 2023-24 में देश में कुल रोजगार 59.67 करोड़ था।

(c) वित्त वर्ष 2023-24 में देश में 4.67 करोड़ रोजगार बढ़ा है।

(d) उपर्युक्त सभी सही हैं।

Ans. (b)

5. हाल ही में विश्व बैंक द्वारा दुनिया के विभिन्न देशों को उनके प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय के अनुसार चार श्रेणियों में विभाजित किया है। इस रिपोर्ट के निष्कर्षों के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

1. इस वर्ष उच्च आय वर्ग के लिए देशों की न्यूनतम प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय 14005 डॉलर से अधिक होनी चाहिए।

2. दक्षिण एशिया का केवल एक देश भूटान 'उच्च मध्यम आय' वाला देश है।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही विकल्पों का चयन कीजिये:

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (a)